विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट-ब्यूरो

Code No. : 02

विषयः राजनीति विज्ञान

पाठ्यक्रम

इकाई I

राजनीतिक सिद्धान्त

अवधारणाएँ – स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, लोकतंत्र, षक्ति, नागरितकता।

राजनीतिक परंपराएँ – उदारवाद, अनुदारवाद, समाजवाद, मार्क्सवाद, नारीवाद, पारिस्थितिकवाद, बहुसंस्कृतिवाद, उत्तर–आधुनिकतावाद।

इकाई II

राजनीतिक विचारक

कंफ्यूषियस, प्लेटो, अरस्तू, मैकियावली, हॉब्स, लॉक, रूसो, हीगेल, मेरी वोल्स्टनोक्राफ्ट, जॉन स्टुअर्ट मिल, कार्ल मार्क्स, ग्राम्षी, हैन्ना आरेंट, फ्रांज फनॉन, माओ जेडाँग, जॉन रॉल्स

इकाई III

भारतीय राजनीतिक विचारक

धर्मषास्त्र, कौटिल्य, अगाना सुत्त, बरनी, कबीर, पंडिता रमाबाई, बाल गंगाधर तिलक, स्वामी विवेकानन्द, रवीन्द्र नाथ टैगोर, एम. के. गाँधी, श्री अरबिन्दो, पेरियार ई. वी. रामासामी, मुहम्मद इकबाल, एम. एन. रॉय, वी. डी. सावरकर, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, जे. एल. नेहरू, राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाष नारायण, दीन दयाल उपाध्याय।

इकाई IV

तुलनात्मक राजनीतिक विष्लेषण

उपागम : संस्थागत, राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक अर्थव्यवस्था तथा नव–संस्थावाद, तुलनात्मक विधियाँ।

उपनिवेषवाद तथा विऔपनिवेषीकरण : उपनिवेषवाद के रुप, औपनिवेषिकता–विरोधी संघर्ष तथा विऔपनिवेषीकरण (डिकोलोनाइजेषन)।

राष्ट्रवाद :यूरोपीय तथा गैर–यूरोपीय।

राज्य सिद्धांत : पूँजीवादी और समाजवादी समाजों में राज्य की प्रकृति पर वाद–विवाद; उत्तर–औपनिवेषिक राज्य; कल्याणकारी राज्य; वैष्वीकरण तथा राष्ट्र–राज्य।

राजनीतिक षासन–प्रणालियाँ : लोकतांत्रिक (निर्वाचकीय, उदार, बहुमत आधारित, सहभागी) तथा गैर–लोकतांत्रिक ष्शासन प्रणालियाँ (पैतृकवाद, अधिकारीतंत्रीय प्राधिकारवाद, सैन्य तानाषाही, सर्वाधिकारवाद तथा फासीपवद)।

संविधान तथा संविधानवाद : संविधान के रुप, विधि का षासन, न्यायिक स्वतंत्रता तथा उदारवादी संविधानवाद; आपातकालीन षक्तियाँ और संविधानवाद का संकट।

लोकतंत्रीकरण : लोकतांत्रिक संक्रमण तथा समेकन।

विकास : अल्पविकास, निर्भरता, आधुनिकीकरण, विष्व व्यवस्था सिद्धांत, विकास तथा लोकतंत्र।

षक्ति की संरचनाएँ : षासक वर्ग, षक्तिसम्पन्न अभिजन वर्ग, लोकतांत्रिक अभिजनवाद।

कर्त्ता और प्रक्रियाएँ : निर्वाचन पद्धतियाँ, राजनीतिक दल तथा दलीय प्रणाली, हित–समूह, सामाजिक आंदोलन, नव सामाजिक आंदोलन, गैर–सरकारी संगठन (एन.जी.ओ) तथा नागरिक समाज।

इकाई V

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

अंतर्राष्ट्रीय संबंध के अध्ययन के उपागम : आदर्षवाद, यथार्थवाद, संरचनात्मक मार्क्सवाद, नवउदारवाद, नव यथार्थवाद, सामाजिक रचनावाद, आलोचनात्मक अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांत, नारीवाद, उत्तर–आधुनिकतावाद।

अवधारणाएँ : राज्य, राज्य प्रणाली, तथा गैर राजकीय कर्त्ता, षक्ति, संप्रभुत्ता, सुरक्षा : परंपरागत और गैर–परंपरागत।

संघर्ष तथा षांति : युद्ध की बदलती हुई प्रकृति, सामूहिक–विनाषकारी हथियार, निवारण, संघर्ष विनियोजन, संघर्ष रूपान्तरण।

संयुक्त राष्ट्र : लक्ष्य, उद्देष्य, संयुक्त राष्ट्र की संरचना तथा इसकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन; षांति और विकास से संबंधित दृष्टिकोण, मानवीय हस्तक्षेप। अंतर्राष्ट्रीय विधि; अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध की राजनीतिक अर्थव्यवस्था : वैष्वीकरण, वैष्विक अभिषासन तथा ब्रेटन वुड्स प्रणाली, उत्तर–दक्षिण संवाद, विष्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू. टी. ओ.), जी–20, ब्रिक्स।

क्षेत्रीय संगठन : यूरोपीय संघ, अफ्रीकी संघ, षंघाई कोऑपरेषन ऑर्गनाइजेषन, आसियान।

समसामयिक चुनौतियाँ : अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरणीय चिंताएँ, मानवाधिकार, प्रवासन तथा षरणार्थी; गरीबी तथा विकास; धर्म, संस्कृति तथा पहचान–राजनीति की भूमिका।

इकाई VI

भारत की विदेष नीति

भारत की विदेष नीति पर दृष्टिकोण : उत्तर–औपनिवेषिक, विकासात्मक, उदयमान षक्ति तथा उभरती हुई राजनीतिक अर्थव्यवस्था के रुप में भारत की पहचान।

भारत की विदेष नीति में निरंतरता और बदलाव : सिद्धांत तथा निर्धारक तत्त्व; गुटनिरपेक्ष आंदोलन, गुटनिरपेक्ष आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा प्रासंगिकता; भारत की परमाणु नीति

प्रमुख षक्तियों के साथ भारत के संबंध : संयुक्त राज्य अमेरीका, सोवियत यूनियन/रूस, पीपॅल्स रिपब्लिक ऑफ चायना।

बहुध्रुवीय दुनिया के साथ भारत का संबंध : यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध, ब्रिक्स, आसियान, षंघाई कोऑपरेषन ऑर्गनाइजेषन, अफ्रीकी संघ, दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय, गल्फ कोऑपरेषन कौंसिल।

पड़ोसी देषों के साथ भारत का संबंध : सार्क, गुजराल सिद्धांत, लुक ईस्ट/ऐक्ट ईस्ट (पूर्व की ओर देखो/पूर्व की ओर कार्य करो), लुक वेस्ट (पष्चिम की ओर देखो)।

अंतर्राष्ट्रीय षासन व्यवस्था में भारत की परक्रामण कार्यनीति : संयुक्त राष्ट्र, विष्व व्यापार संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल।

समसामयिक चुनौतियाँ : समुद्री सुरक्षा, उर्जा सुरक्षा, पर्यावरणीय सुरक्षा, प्रवासन तथा षररणार्थी, जल संसाधन, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, साइबर सुरक्षा।

इकाई VII

भारत में राजनीतिक संस्थाएँ

भारतीय संविधान का निर्माण : औपनिवेषिक विरासत; भारत के संविधान निर्माण में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का योगदान।

संविधान सभा : गठन, वैचारिक अवलंब, संवैधानिक बहस।

संविधान का दर्षन : उद्देषिका, मौलिक अधिकार, नीति निदेषक सिद्धान्त।

भारत में संविधानवाद : लोकतंत्र, सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रीय एकता, नियंत्रण और संतुलन, मौलिक संरचना पर बहस, संविधान में संषोधन।

केन्द्रीय कार्यपालिका : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद।

संसद : संरचना, भूमिका तथा कार्यपद्धति, संसदीय समितियाँ।

न्यायपालिका : उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायिक समीक्षा, न्यायिक सक्रियतावाद, न्यायिक सुधार।

राज्यों में कार्यपालिका तथा विधानमंडल : राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधान मंडल।

भारत में संघवाद : सषक्त केन्द्रपरक संरचना, असममित संघीय प्रावधान तथा अनुकूलन, अंतरसरकारी समन्वयन क्रियाविधि, अंतरराज्ययीय परिषद, उभरती हुई प्रवृत्तियाँ।

निर्वाचन प्रक्रिया तथा भारत का निर्वाचन आयोग : निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन, नियम, चुनाव सुधार।

स्थानीय षासन संस्थाएँ : कार्यपद्धति तथा सुधार।

संवैधानिक तथा संविधिक निकाय : नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग।

इकाई VIII

भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएँ

राज्य, अर्थव्यवस्था तथा विकास : भारतीय राज्य की प्रकृति, विकास योजना मॉडल, नव आर्थिक नीति, वृद्धि तथा मानव विकास।

वैष्वीकरण की प्रक्रिया : सामाजिक तथा आर्थिक निहितार्थ।

पहचान की राजनीति : धर्म, जनजाति, जाति, क्षेत्र, भाषा।

सामाजिक आंदोलन : दलित, जनजातीय, महिला, किसान, श्रमिक।

नागरिक समाज के समूह : गैर–दलीय सामाजिक मंच, गैर–सरकारी संगठन, सामाजिक अंभियान समूह।

भारतीय राजनीति का क्षेत्रीयकरण : भारतीय राज्यों का पुनर्गठन, राजनीतिक तथा आर्थिक इकाई के रुप में राज्य, उप–राज्य क्षेत्र, क्षेत्रीय विषमता, नये राज्यों के लिए माँग।

भारत में जेंडर और राजनीति : समानता तथा प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दे।

राजनीतिक दलों की विचारधारा तथा सामाजिक आधार : राष्ट्रीय दल, राज्य–स्तरीय दल।

चुनावी राजनीति : सहभागिता, चुनावी प्रतिद्वंद्विता, प्रतिनिधित्व, उभरती हुई प्रवृत्तियाँ।

इकाई IX

लोक प्रषासन

लोक प्रषासन : अर्थ तथा विकास, लोक तथा निजी प्रषासन उपागम : प्रणाली सिद्धान्त, निर्णय–निर्माण, पारिस्थितिकीय उपागम।

लोक–प्रषासन के सिद्धांत तथा अवधारणाएँ : वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धान्त, तर्कसंगत विकल्प सिद्धान्त, नव लोक प्रषासन, विकास प्रषासन, तुलनात्मक लोक प्रषासन, नव लोक प्रबंधन, उदारीकरण तथा वैष्वीकरण के युग में लोक प्रषासन की बदलती हुई प्रकृति।

संगठन के सिद्धान्त और नियम : वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धान्त, अधिकारीतंत्र सिद्धान्त, मानव संबंध सिद्धान्त।

संगठन का प्रबंधन : नेतृत्व तथा अभिप्रेरणा का सिद्धान्त।

संगठनात्मक संप्रेषण : सिद्धान्त तथा नियम, चेस्टर बर्नार्ड के संप्रेषण के नियम, संगठन में सूचना प्रबंधन।

संगठन में संघर्ष प्रबंधन : मेरी पार्कर फोलेट।

उद्देष्य आधारित प्रबंधन : पीटर ड्रकर।

इकाई X

भारत में ष्षासन–विधि तथा लोक नीति

षासन, सुषासन तथा लोकतंत्रीय षासन, राज्य की भूमिका, नागरिक समाज तथा व्यक्ति।

उत्तरदायित्व तथा नियंत्रण : नियंत्रण और संतुलन के लिए संस्थानिक तंत्र, कार्यपालिका पर विधायिका का नियंत्रण, प्रषासनिक तथा बजटीय नियंत्रण, संसदीय समितिया के माध्यम से नियंत्रण, विधायिका और कार्यपालिका पर न्यायिक नियंत्रण, प्रषासनिक संस्कृति, भष्टाचार ओर प्रषासनिक सुधार।

सुषासन के सांस्थानिक तंत्र : सूचना का अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, सिटिजन चार्टर, षिकायत निवारण प्रणाली : ऑम्बुड्जमैन, लोकपाल, लोकायुक्त।

ग्रासरुट (जमीनी स्तर पर) ष्षासन : पंचायती राज संस्थाएँ तथा उनकी कार्यपद्धति।

योजना तथा विकास : विकेंद्रीकृत योजना, विकास के लिए योजना, सतत विकास, ई–गवर्नेंस, एन.आई.टी. आई. आयोग।

सामाजिक–आर्थिक विकास के उपकरण के रुप में लोक नीति– आवास, स्वास्थ्य, पेय जल, खाद्य सुरक्षा, एम. एन. आर. ई. जी. ए., एन. एच. आर. एम., आई. टी. ई. के विषेष संदर्भ में लोक नीतियाँ।

लोक नीति की निगरानी और मूल्यांकन; षासन विधि को उत्तरदायी बनाने की क्रियाविधि : जनसुनवाई, ऑडिट।